प्रभात

छिपाएंगे नहीं, छापेंगे

facebook-Subharti Tv Twitter-Subharti Tv

www.subhartimedia.com | लखनऊ, सोमवार, 16 सितंबर 2019, मूल्य : 2.00, पृष्ठ : 12 | उत्तर प्रदेश–उत्तराखंड से प्रकाशित

धोनी पर पोस्ट मेरे लिए सीख : कोहली पेज-11

सूर्य की किरणों से पृथ्वी को बचाती है ओजोन

विश्व ओजोन दिवस

- क्षयकारी पदार्थों के नियंत्रित उपयोग से होगी ओजोन परत की रक्षा, बचेगा जीवन

लखनऊ-प्रभात

ओजोन परत, गैस की एक नाजुक ढाल है, जो सूर्य की किरणों के हानिकारक हिस्से से पृथ्वी की रक्षा करती है। इस प्रकार ग्रह पर जीवन को संरक्षित करने में मदद करती है। ओजोन को उसके क्षयकारी पदार्थों के नियंत्रित उपयोग से न केवल भावी पीढ़ियों के लिए ओजोन परत की रक्षा करने में मदद मिलेगी, बल्कि जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए हो रहे वैश्विक प्रयासों में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकेगा। इसके अलावा, यह हानिकारक पराबैंगनी विकिरण को पृथ्वी तक पहुंचने से सीमित कर मानव स्वास्थ्य और पारिस्थिति की प्रणालियों की रक्षा की है।

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस) के महानिदेशक तकनीकी प्रो. भरत राज सिंह का कहना है कि ओजोन परत और जलवायु की रक्षा के लिए तीन दशकों से उल्लेखनीय मोंट्रियल अंतर्राष्ट्रीय प्रयास हमें याद दिलाता है कि लोगों को स्वस्थ रखने हेतु पृथ्वी के चारो तरफ ओजोन परत मोटाई बनाने मे सार्थक प्रयास किये गये और इस गति को बनाए रखना नितांत आवश्यक है । हमे ज्ञात है कि रेफ्रिजरेटरए एयर.कंडीशनर और कई अन्य उत्पादों में 99 प्रतिशत ओजोन.क्षयकारी रसायनों का उपयोग हो रहा थाए इसका अन्य विकल्प ढूढा गया और आगे भी प्रयास जारी है। ओजोन डिप्लेशन का नवीनतम वैज्ञानिक मूल्यांकन 2018 में किया गयाए जिसके आकणो से यह जानकारी मिली कि 2000 के बाद से ओजोन परत के कुछ हिस्सों मे प्रति दशक 1.3: की दर से बढोत्तरी हुई है। अनुमानित दरों परए उत्तरी गोलार्ध और मध्य.अक्षांश पर ओजोन 2030 तक पूरी तरह से ठीक हो जायेगी। परंतु यह प्रयास दक्षिणी गोलार्ध पर 2050 और ध्रुवीय क्षेत्रों में 2060 तक चलेगा। ओजोन परत संरक्षण के प्रयासों ने 1990 से 2010 तक अनुमानित 135 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर उत्सर्जन को रोककर जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में बहुमूल्य योगदान दिया है।

डा. भरत राज सिंह
महानिदेशक तकनीकी
एसएमएस, लखनऊ

इस विश्व ओजोन दिवस पर हम हम सभी को विशेष रूप से सतर्क रहकर ओजोन.क्षयकारी पदार्थों के किसी भी अवैध स्रोतों से निपटने के लिये सार्थक प्रयास जारी रखना होगा। आवश्यक प्रोटोकॉल को बनाये रखने के लिए हमें समय समय पर जारी संशोधनो का भी तहे दिल से स्वागत व समर्थन करना चाहिएए फिलहाल 01 जनवरी 2019 से किगली संशोधन लागू हुआ है। हाइड्रोफ्लोरोकार्बन जो कि शक्तिशाली जलवायु.वार्मिंग गैसें हैंए को चरणबद्ध रूप मे उक्त संशोधन से ओजोन परत की रक्षा करते हुए सदी के अंत तक वैश्विक तापमान वृद्धि को 0.4 सेंटीग्रेड तक से बचाया जा सकता है और शीतलन उद्योग में ऊर्जा दक्षता में सुधार के साथ एचएफसी में चरण.डाउन की कार्रवाई करके, हम बड़े जलवायु लाभ को प्राप्त कर सकेंगे।